सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, गुरुवार, 03 अप्रैल, 2025
वर्षः 02, अंकः 97, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड पीवीआर आईनॉक्स में खाद्य विभाग का छापा, बड़ी... » Pg03

असदुद्दीन ओवैसी ने फाड़ी संशोधन विधेयक की कॉपी

» Pg12

श्रृंगवेरपुर धाम पहुंचे सीएम योगी, दी चेतावनी

यूपी में माफियागिरी बिलकुल नहीं चलेगी

करोड़ों की परियोजनाओं का किया लोकार्पण, 1400 मत्स्य पालकों को चेक वितरित किए, महाकुंभ में योगदान देने वाले नाविकों को सम्मान

निषादराज गुह्य की जयंती

» कहा- 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु महाकुम्भ में आए, जो आया, अभिभूत होकर गया और आशीर्वाद देकर गया।

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज के श्रृंगवेरपुर धाम में स्थित निषादराज गुह्य की जयंती समारोह में भाग लिया। उन्होंने भगवान राम और राजा निषाद की कहानियों पर आधारित एक प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया और श्रृंगवेरपुर धाम में विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। सीएम ने प्रभु श्रीराम और निषादराज की मित्रता का स्मरण दिलाया। इसी के साथ संदेश दिया कि आज उसी तरह निषादराज पार्टी और भाजपा में मित्रता देखने को मिल रही है। महाकुंभ की सफलता और प्रयागराज को मिली वैश्विक पहचान के लिए प्रयागराजवासियों को श्रेय दिया। इसी पहचान को आगे बढ़ाने के लिए जहां कहीं भी आवश्यकता पड़ेगी, डबल इंजन की सरकार खड़ी मिलेगी।

विरोधियों पर निशाना साधते हुए बोले, पिछली सरकारें नहीं चाहती थीं कि पौराणिक शहर को पहचान मिले। उनके लिए अपना वोट बैंक है, निषादराज की पौराणिक भूमि पर भी कब्जे की साजिश। जब हम महाकुंभ का आयोजन करने जा रहे थे, तो कुंभ की भूमि को भी वक्फ की भूमि बता दिया। भू माफिया प्रदेश में नहीं रह सकते। प्रदेश में माफियागिरी नहीं चलेगी।

उन्होंने यह बातें श्रृंगवेरपुर धाम में आयोजित निषादराज गुह्य की जयंती पर आयोजित समारोह में कही। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि हम मोदी और अमित शाह के प्रति आभारी हैं। वक्फ संशोधन विधेयक लोकसभा में पारित हो गया, आज राज्यसभा में पारित होगा। रास्ता अवश्य बनेगा। आखिर प्रयागराज में कोटि-कोटि श्रद्धालु श्रद्धा से सिर नवाता है। यहां के अस्तित्व के साथ खिलवाड़ करते थे। उसका अपहरण कर मार दिया जाता था। अब यह नहीं चेलगा। जीरो टालरेंस के साथ सरकार अपना काम कर रही है।

महाकुंभ ने बहुत कुछ दे दिया

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाकुंभ ने बहुत कुछ दे दिया प्रदेश,देश और सनातन धर्मावलिबंयों को। इतना बड़ा आयोजन रामभक्त ही कर सकते हैं। इसके लिए राष्ट्रनिष्ठा चाहिए। जिनके मन में राष्ट्र के प्रति समर्पण नहीं, वह इतना बड़ा आयोजन नहीं कर सकता। कहीं भी जाएंगे कि मैं प्रयागराज से आया हूं, लोग सिर-आंखों पर बैठाने का काम करेंगे। सम्मान और पहचान मिल गई, इससे बढ़कर कुछ नहीं होता।

579 करोड़ रुपये की 181 परियोजनाओं का किया शिलान्यास

सीएम योगी ने 579 करोड़ रुपये की 181 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इसके साथ ही वह विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक तथा प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया। कहा कि आज यहां पर निषादराज परंपरा के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने केलिए 580 करोड़ की योजना की सौगात देने आया हूं। प्रयागराज का मतलब महामिलन स्थल। गंगा-यमुना और सरस्वती का संगम। यहां निषादराज और भगवान राम के मिलन का भी संगम भी हुआ।

सुप्रीम फैसला: सभी जजों को करना होगा संपत्ति का खुलासा

वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का किया स्वागत

» नई दिल्ली, एजेंसी।

न्यायपालिका में पारदर्शिता और लोगों का विश्वास बनाए रखने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा कदम उठाया है। सुप्रीम कोर्ट के सभी जजों ने पदभार ग्रहण करने के दौरान ही अपनी संपत्ति का ब्योरा पब्लिक करने का फैसला किया है। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से यह फैसला 1 अप्रैल को की गई फुल कोर्ट मीटिंग में लिया गया है। इस संबंध में एक प्रस्ताव पारित किया गया और यह भावी जजों पर भी लागू होगा।

जजों ने यह भी कहा कि संपत्तियों से जुड़ी जानकारी सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी। हालांकि, वेबसाइट पर संपत्ति की घोषणा करना स्वैच्छिक होगा। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर कहा गया है, 'सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर संपत्ति की घोषणा करना स्वैच्छिक आधार पर होगा।' रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना समेत सुप्रीम कोर्ट के 30 जजों ने अपनी संपत्ति का घोषणा पत्र कोर्ट में दिया है।

वरिष्ठ वकील आदिश अग्रवाल ने समाचार न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा, 'मैं सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का स्वागत करता हूं जिसमें जजों को अपनी संपत्ति आधिकारिक वेबसाइट पर घोषित करने को कहा गया है। इसकी वजह से जनता का भरोसा बहाल होगा, जो पिछली घटनाओं के कारण थोड़ा कम हुआ है। मुझे उम्मीद है कि हाई कोर्ट के जज भी इसका अनुसरण करेंगे। इससे न्यायपालिका में पारदर्शिता और विश्वास सुनिश्चित होगा। जबकि 1977 में इसी तरह के प्रस्ताव पर विचार किया गया था, लेकिन इसे पूरी तरह से लागू नहीं किया गया था।'

जस्टिस वर्मा का इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला जस्टिस यशवंत वर्मा से जुड़े विवाद के बाद में आया है। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने बिल्कुल साफ किया कि जस्टिस वर्मा को इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज के तौर पर अपना नया पदभार संभालने के बाद कोई ज्यूडिशियल काम नहीं सौंपा जाएगा। बता दें कि भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पहले जस्टिस वर्मा को इलाहाबाद हाई कोर्ट में ट्रांसफर करने की सिफारिश की थी। कॉलेजियम ने साफ किया कि यह ट्रांसफर उनके खिलाफ चल रही जांच से बिल्कुल अलग है।

पिछले हफ्ते सीजेआई खन्ना ने जस्टिस वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यों की कमेटी का गठन किया है। टॉइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट के आयोग ने कथित तौर पर दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा और कुछ अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का बयान दर्ज किया है। ऐसा माना जा रहा है कि अरोड़ा ने आयोग को बताया कि स्टोर रूम एक गार्ड रूम से सटा हुआ था, जहां सीआरपीएफ के जवान तैनात थे और स्टोर रूम को बंद रखा जाता था। अरोड़ा ने आयोग को यह भी बताया कि उन्होंने 15 मार्च को शाम करीब 4.50 बजे सुप्रीम कोर्ट को घटना के बारे में सूचित किया था। उन्होंने आयोग को बताया कि जस्टिस वर्मा के निजी सचिव ने दिल्ली हाई कोर्ट के नाम से रजिस्टर फोन नंबर से पीसीआर कॉल की थी और सचिव ने कहा कि उन्हें जज के आवास पर मौजूद एक नौकर ने आग के बारे में सूचित किया था।

विश्व आटिज्म दिवस पर संगोष्ठी आयोजित

»कानपुर के जाने माने बच्चों के डॉक्टर यशवंत राव एवं एकेडमी ऑफ़ पेडिएट्रिक कानपूर चैप्टर की अध्यक्षा डॉ. रोली श्रीवास्तव मौजूद रहीं

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। विश्व आटिज्म जागरूकता दिवस के अवसर पर पुष्पा खन्ना मेमोरियल सेण्टर एवं अकेडेमी ऑफ़ पेडिएट्रिक, कानपुर चैप्टर के संयुक्त के तत्वाधान में एक गोष्ठी 卐एम्पॉवरिंग ऑटिस्टिक वॉइसेस, डिफरेंट, नॉट लेस卐 का आयोजन हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कानपुर के जाने माने बच्चों के डॉक्टर यशवंत राव एवं अकेडेमी ऑफ़ पेडिएट्रिक कानपूर चैप्टर की अध्यक्षा डॉ. रोली श्रीवास्तव एवं सचिव डॉ. अमितेश यादव मुख्य वक्ता के रूप में सम्मिलित हुए। पुष्पा खन्ना मेमोरियल सेंटर की डायरेक्टर रूमा चतुर्वेदी इस कार्यक्रम का नेतृत्व किया। उन्होंने बताया कि आटिज्म एक न्यूरो-डेवलपमेंटल स्थिति है जो मुलभूत रूप से किसी व्यक्ति के बातचीत के तरीकों, सामाजिक मेलजोल और व्यवहार की क्षमता को प्रभावित करती है। मगर कई बार गलती से ऑटिज्म को मानसिक मंदता का एक रूप समझ लिया जाता है, यह सिर्फ एक सामान्य न्यूरो स्थिति है जो किसी व्यक्ति को आसपास के वातावरण का समझने का एक अलग नजरिया प्रदान करती है जो कई बार सामान्य से अलग होता है। सही जानकारी न होने के कारण हम ऑटिज्म से प्रभावित व्यक्ति को स्वीकार करने,उसे अपनाने के बजाय,उसकी उपेक्षा करते हैं उसके साथ भेदभाव करते हैं।डॉ यशवंत राव ने बताया की आज कल ऑटिज्म के कई मामले देखने को मिल रहे है, हम जितना जल्दी इन लक्षणों को पहचान कर उन पर काम करेंगे बच्चे में उतना ही अच्छा प्रभाव देखने को मिलेगा।डॉ. रोली श्रीवास्तव ने समाज में इसके प्रति जागरूकता और सामाजिक एकजुटता पर जोर देना चाहिए।डॉ. अमितेश यादव ने बताया बच्चों को देखते वक़्त अभिभावकों में कई भ्रांतिया होती है जिसकी वजह से वो समय पर इस पर ध्यान नहीं देते और पूजा पाठ व कई अन्धविश्वाशों में लगे रहते है जिससे बच्चे को कोई लाभ नहीं होता।इस कार्यक्रम में कई अभिभावक एवं गणमान्य लोग रूपेश कुमार,सत्यम तिवारी,अश्विनी चौहान,रोहित तिवारी,गौरव शर्मा,प्रखर त्रिवेदी आदि मौजूद रहे।

अविचल प्रताप सिंह को एसडीएम घाटमपुर का चार्ज

पीसीएस यादवेंद्र वैश्य की कार्यशैली से नाराज हैं जिले के अफसर

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।आखिर एसडीएम घाटमपुर यादवेंद्र वैश्य पर गाज गिर ही गई। सरकारी कामकाज में हीलाहवाली को लेकर कई दफा आलाधिकारी की फटकार खाने के बाद उनको एसीएम तृतीय का कार्यभार सौंपा गया है। वहीं बीते रोज प्रमोट हुए अविचल प्रताप सिंह को एसीएम तृतीय से घाटमपुर एसडीएम बनाया है। एसडीएम घाटमपुर पर काफी समय से पद से हटाए जाने की तलवार लटक रही थी। डीएम ने दोनों अफसरों के कार्यक्षेत्र बदलाव को लेकर लेटर जारी किया है।घाटमपुर में दौरे के दौरान पूर्व डीएम राकेश कुमार सिंह ने एसडीएम यादवेंद्र वैश्य पर काफी नाराजगी जाहिर की थी। वहीं डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने भी एसडीएम की कार्यशैली को लेकर तल्खी दिखायी थी। सूत्रों की माने तो उनके हटाए जाने और उनके स्थान पर किसको तैनात किया जाए इस पर चर्चा चल रही थी।

नवरात्र बाद बदले जाएंगे कई के कार्यक्षेत्र

अंदरखाने की माने तो डीएम कई अफसरों और कर्मचारियों की कार्यशैली से खासे नाराज हैं। सरकारी कार्य में लापरवाही करने वाले अफसरों और कर्मचारियों पर गाज गिरना तय है। इस संबंध में उन्होंने शासन को भी अवगत करा दिया है। डीएम ने अफसरों को आदेश दे रखा है कि जो शासन की मंशा अनुरूप कार्य नहीं करेगा उसपर कार्रवाई तय है।

श्री गौरी हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED HOSPITAL)
यू.पी.एस.आई.डी.सी. जैनपुर, कानपुर देहात
Mob: 9710106661, 7310106662, 7310106663
अल्ट्रासाउण्ड, सी.टी. स्कैन, डिजिटल एक्सरे की 24 घंटे सुविधा उपलब्ध
- आई0सी0यू0/सी0सी0यू0।
- वेंटीलेटर, ए0वी0जी0ए0, कारडियक मॉनीटर, मल्टीपैरा मॉनीटर की सुविधा।
- C-Arm युक्त वतानुकूलित ऑपरेशन थियेटर।
- ट्रामा स्पोर्ट हेड इन्जुरी का सफल इलाज।
- डिजिटल एक्स.रे, सी.टी. स्कैन, अल्ट्रासाउण्ड (U.S.G.) की सुविधा

आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज उपलब्ध है।
टी.पी.ए. कैशलेस की सुविधा उपलब्ध
उपलब्ध सुविधाएं:- ए0बीजी0ए0 मशीन
1. अत्यंत कम वजन के नवजात शिशु एवं समय से पहले जन्में शिशुओं की विशेष देखभाल। 2. नवजात एवं बाल्य गहन चिकित्सा इकाई ;च्ण्ब्ण्न्द्ध 3. चौबीस घंटे मेडिकल स्टोर, एक्सरे, पैथालॉजी, कैन्टीन की सुविधा। 4. नि:शुल्क एम्बुलेंस की सुविधा। 5. दूरबीन द्वारा पित्त एवं गुर्दे, यूरेटर की पथरी का ऑपरेशन, बच्चेदानी में गांठ का ऑपरेशन दूरबीन द्वारा किया जाता है। 6. गहन चिकित्सा इकाई, वेंटीलेटर सुविधा सहित। 7. सभी प्रकार के हड्डी रोग एवं ट्रामा सम्बंधित ऑपरेशन। 8. सिजेरियन ऑपरेशन/डिलेवरी/बच्चेदानी का ऑपरेशन अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर। 9. कार्डियक मीनीटरिंग/इको कार्डियोग्राफी/सोनोग्राफी/टी.एम.टी.
डा. संजय त्रिपाठी
एम.बी.बी.एस., एमडी मेडिसिन
फेलोशिप क्रिटिकल केयर
विजय बाजपेई
मैनेजिंग डायरेक्टर

पीवीआर आईनॉक्स में

पीवीआर आईनॉक्स में खाद्य विभाग का छापा, बड़ी लापरवाही देखी गई है

» किचन में कॉकरोच चलते मिले, नोटिस जारी

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। थियेटर में फिल्म के साथ स्नैक्स खाने वालों के लिए यह खबर है। खाद्य एवं औषधि विभाग की टीम को जेड स्क्वायर मॉल स्थित पीवीआर आईनॉक्स में एक्सपायर खाद्य सामग्री मिली है। इनमें कुछ तो एक्सापायरी छुपाने के लिए नई डेट का स्टिकर तक लगाया गया है। फ्रिज में रखी खाद्य सामग्री भी एक्सपायरी मिली।

कई अनियमितताओं के मद्देनजर टीम ने कुछ जगह सील करते हुए नोटिस जारी किया है। सहायक खाद्य आयुक्त द्वितीय संजय प्रताप सिंह ने बताया कि खाद्य सामग्री के एक्सपायरी पर नई डेट का स्टिकर लगाए जाने काफी गंभीर मामला है। इस संबंध में नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। साथ ही अन्य सिनेमा घरों की भी जांच कर कार्रवाई की जाएगी।मिलावटी खाद्य पदार्थ से बचाव के लिए खाद्य विभाग की टीम लगातार छापेमार कार्रवाई कर रही है। टीम ने बडा चौराहा, आजाद नगर, जरीब चौकी, डिप्टी पडाव और विशाल मेगा मार्ट से साबूदाना, मूंगफली, कुट्टा आटा, दाल मखनी, सिंघाडा आटा, सेंधा नमक का नमूना लिया है। नमूनों को जांच के लिए लैब में भेजा जाएगा।

स्टीकर हटाते ही चौंक पड़े अफसर

प्लांट बेस्ड चिकन पेटिज जिसकी कीमत 195 रूपये है, का जब एक्सपायरी के स्थान पर लगा स्टीकर टीम ने हटाया तो चौंक पडे। 18 अगस्त 2024 को एक्सपायर हुआ पैकेट धडल्ले से बेचा जा रहा था। इसके बाद टीम ने कई आइट्मस को चैक किया

जिसमें कुछ में एक्सपायर हो चुका बेचा जा रहा पकडा गया। फ्रिज में रखी खाद्य सामग्री एक्सपायरी मिली। टीम ने पनीर, तंदूरी स्प्रेड, सोयाबीन ऑयल के नमूने लिए हैं।

भाजपा नेत्री की गलत इलाज से मौत

» पैर दर्द की शिक़ायत लेकर अस्पताल पहुंची सुनीता शुक्ला की इंजेक्शन लगाने के बाद हुई मौत

» कल्याणपुर में कुछ दिन पहले खुले अशिर्या अस्पताल का मामला

» निजी अस्पताल प्रबंधन ने परिजनों के साथ की बदसलूकी।

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर । सिटी में एक बार फिर से कलयुग के भगवान हैवान बन गए हैं।जहां कल्याणपुर थाना क्षेत्र में स्थित अशिर्या अस्पताल में इलाज के दौरान भाजपा नेत्री की संदिग्ध मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि मामूली बीमारी के इलाज के लिए आई भाजपा नेत्री सुनीता शुक्ला को बिना उचित जांच के आईसीयू में भर्ती कर दिया गया और गलत इंजेक्शन लगाने से उसकी मौत हो गई। घटना के बाद अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही और मनमानी का आरोप लगाते हुए परिजनों ने जमकर हंगामा किया।

भाजपा नेत्री सुनीता शुक्ला अपने पैर सुन्न होने की शिकायत लेकर अशिर्या अस्पताल पहुंची थीं। परिजनों के अनुसार, उन्हें मामूली इलाज की आवश्यकता थी, लेकिन अस्पताल प्रशासन ने बिना किसी विस्तृत जांच के उन्हें आईसीयू में भर्ती कर लिया। आरोप है कि इस दौरान अस्पताल कर्मियों ने एक इंजेक्शन लगाया, जिसके कुछ देर बाद ही उनकी हालत बिगड़ने लगी और देखते ही देखते उन्होंने दम तोड़ दिया।परिजनों का आरोप है कि जब उन्होंने इस लापरवाही का विरोध किया तो अस्पताल कर्मियों ने उनके साथ मारपीट की और जबरन अस्पताल से बाहर निकालने की कोशिश की।इस घटना ने एक बार फिर कानपुर में निजी अस्पतालों की लापरवाही और मनमानी को उजागर कर दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर भर में कई अस्पताल ऐसे हैं, जो मरीजों से मोटी रकम वसूलने के बाद भी उन्हें सही इलाज नहीं देते और कई बार उनकी जान तक चली जाती है।परिजनों ने प्रशासन से मांग की है कि इस अस्पताल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और दोषियों को सजा दी जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों। परिजनो ने मामले में निष्पक्ष जांच और अस्पताल प्रशासन पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

» बाजारों और मोहल्ले में मेयर प्रमिला पांडे और सुधीर कुमार नगर आयुक्त ने किया भ्रमण

» अतिक्रमणकरियों को 15 दिन की मुलाकात इसके बाद चलेगा बड़ा अभियान

कानपुर में अतिक्रमण के खिलाफ मेयर प्रमिला पांडे की बड़ी मुहिम

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर महानगर को स्वच्छ और अतिक्रमण मुक्त बनाने को लेकर महापौर प्रमिला पाण्डेय ने बड़ी पहल शुरू की है। गुरुवार को खुली जीप में नगर आयुक्त सुधीर कुमार सहित अपनी नगर निगम टीम के साथ भ्रमण कर सख्त हिदायत दी कि अगर 15 दिन में अतिक्रमण नहीं हटाया तो अतिक्रमण करने वालो पर सख्त से सख्त कारवाई होगी और इसके जिम्मेदार खुद अतिक्रमण करने वाले होंगे ,, महापौर ने ये भी कहा कि साफ सफाई रखना भी नगरवासियों को जिम्मेदारी है दरअसल कानपुर की महापौर प्रमिला पाण्डेय लगातार शहर को स्वच्छ बनाने और अतिक्रमण मुक्त करने के लिए लगातार कार्रवाई कर रही है ।

इसी के चलते गुरुवार को महापौर ने कानपुर के परेड चौराहे से नयागंज बिरहानारोड आदि क्षेत्रो में एक रैली निकालकर लोगो को सख्त निर्देश दिए कि 15 दिन में अगर अतिक्रमण नहीं हटाया तो नगर निगम की टीम द्वारा अतिक्रमण करने वालों से ही किराया वसूला जाएगा और कार्रवाई भी की जाएगी।

अभियान के साथ नगर आयुक्त सुधीर कुमार मौजूद रहे

महापौर प्रमिला पांडे ने बताया कि कानपुर मे फुटपाथ ,नाले व नालियों में हुए अतिक्रमण नगर निगम द्वारा संचालित अतिक्रमण हटाओ अभियान एवं रैली निकालकर लोगों को दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं और लगातार कार्रवाई भी की जा रही है उन्होंने बताया कि कानपुर शहर को स्वच्छ और अतिक्रमण मुक्त बनाना उनका प्रथम कर्तव्य है।

सम्पादकीय

म्यांमार और थाईलैंड में भूकंप से तबाही

शुक्रवार को म्यांमार केंद्रित 7.7 तीव्रता वाले भूकंप ने यहां और थाईलैंड में भारी तबाही मचाई। भूकंप का असर करीब चार मिनट तक रहा। अमेरिकन जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार बारह मिनट के अंतराल के बाद भूकंप का दूसरा झटका महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 6.4 थी। भूकंप का केंद्र म्यांमार के सागाइंग से 18 किमी दक्षिण में था। भूकंप से म्यांमार में भारी तबाही दिखी और पुल व बिल्डिंगें ताश के पत्तों की तरह बिखरती दिखी। म्यांमार में तबाही इतनी ज्यादा बतायी जा रही है कि सैन्य प्रशासन ने अंतर्राष्ट्रीय मदद की गुहार लगायी है। इतना ही नहीं भूकंप के झटकों से म्यांमार से करीब एक हजार किमी दूर स्थित थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में कई भवनों के ध्वस्त होने व सड़कें फटने की खबरें हैं। बैंकॉक में एक तीस मंजिला बिल्डिंग धराशायी हो गई। आशंका है कि इसमें अभी 43 मजदूर फंसे हुए हैं। भूकंप के झटकों से सहमे लोग मदद की गुहार लगाते रहे। घायल लोगों से अस्पताल भरे नजर आए। दीवारें फटने, इमारतों के गिरने से लोग दहशत में दिखे। शुरुआत आंकड़ों के अनुसार म्यांमार में 144 लोगों के मरने व सैकड़ों लोगों के घायल होने की पुष्टि हुई है। लेकिन अमेरिकन जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार मरने वालों का आंकड़ा हजारों तक पहुंच सकता है। भूकंप के केंद्र के निकट स्थित यंगून ही नहीं म्यांमार के अनेक शहरों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। यहां छह प्रांतों में आपात स्थिति घोषित हुई है। इसके अलावा चीन के कुछ हिस्सों व थाइलैंड में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एक तीस मंजिला इमारत के धराशायी होने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। कई जगहों में इमारतों के रूफटॉप पर बने स्वीमिंग पूल का पानी सड़कों पर बहता नजर आया। भयभीत लोगों के चीखने से मंजर भयावह नजर आ रहा था। लोग मदद की गुहार लगा रहे थे।दरअसल, थाईलैंड भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील नहीं है, लेकिन म्यांमार में आने वाले भूकंप के झटकों का असर यहां दिखता है। भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील न होने के कारण थाईलैंड में भवन निर्माण में भूकंपरोधी तकनीक का उपयोग नहीं होता।जिसकी वजह से ज्यादा नुकसान की आशंका जतायी जा रही है। अस्पतालों में उपचार कराने वालों की लंबी कतारें देखी गई हैं। वहीं 2021 से सैन्य शासन के अधीन और गृहयुद्ध से जूझता म्यांमार इस प्राकृतिक आपदा के बाद हताश नजर आया। इंटरनेट का प्रयोग सीमित होने से वहां की स्थिति जानने में दिक्कत आ रही है। पहली बार सैन्य शासन ने अंतर्राष्ट्रीय मदद की अपील की है। प्रधानमंत्री ने भूकंप पीड़ितों की मदद के लिये अधिकारियों से आवश्यक कार्रवाई को कहा है। म्यांमार के दूसरे बड़े शहर मांडले से भी ऐतिहासिक रॉयल पैलेस व अन्य बिल्डिंगें गिरती नजर आई हैं।

टीआरपी की भेड़चाल से हुआ अन्याय

क्षमा शर्मा

किसी लड़की की किसी से दोस्ती हो और वह लड़का आत्महत्या कर ले, तो जब तक प्रमाण लड़की के खिलाफ न हों मीडिया को इस तरह शिकारी की भूमिका निभानी नहीं चाहिए कि लड़की का जीवन ही बर्बाद हो जाए। न्याय की बात टीआरपी को एक किनारे रखकर की जाए तो बेहतर है। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के केस में सीबीआई ने क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की है। यानी इस मामले को अब बंद कर दिया गया है। आपको याद होगा कि सुशांत ने आत्महत्या की थी और उनके घर वालों ने फिल्मों में पहचान बनाने आई और सुशांत की मित्र रिया चक्रवर्ती को भी अभियुक्त बनाया था।

उसे सत्ताइस दिन जेल में भी रहना पड़ा था। जबकि सीबीआई को रिया के खिलाफ कोई सुबूत नहीं मिले। यह हमारी व्यवस्था की सफलता है कि उन्होंने एक निरपराध लड़की को कम से कम अपराध मुक्त किया। वरना तो पता नहीं इस लड़की और उसके परिवार का क्या होता। पच्चीस साल की एक लड़की ने इस मामले का सामना कैसे किया होगा, यह सोचने की बात है।

इस लड़की पर आरोप क्या लगे थे, इसे अपराधी बना दिया गया था। चार-चार एजेंसियां इसके पीछे लगी थीं। रिया के घर के बाहर मीडिया का भारी जमावड़ा कई दिनों तक लगा रहा। हर कोई ऊंची से ऊंची आवाज में उसे अपराधी साबित करने पर तुला था। आरोप लगने भर से उसे अपराधी मान लिया गया था। चैनल्स के लोग बाहर खड़े किस-किस तरह के अपशब्द बोल रहे थे। अरे रिया बाहर निकल। कहां छिपी है। सुशांत को खा गई। उसके पैसे के लिए उसे मार डाला। बहुत-सी तो ऐसी बातें जो लिखी भी नहीं जा सकतीं। लेकिन सरेआम बोलने वालों को कोई शर्म नहीं आ रही थी। यह देखकर भी हैरत होती है कि कोई भी स्त्रीवादी उस समय रिया के समर्थन में नहीं बोला था। न ही कोई उसकी मदद के लिए सामने आया था। महिला आयोग भी चुप्पी साधे रहे थे। क्या रिया लड़की नहीं थी। उसके कोई अधिकार भी नहीं थे। रिया के पिता जो सेना में डाक्टर रहे हैं, उन्होंने उस वक्त कहा भी था कि एक मध्यवर्गीय परिवार को नष्ट कर दिया गया है। उसकी मां बीमार पड़ गई थीं। उस बहुमंजिली सोसायटी में रहने वाले अड़ोसी-पड़ोसी की नजरों में उसका सम्मान नष्ट कर दिया गया था। रही-सही कसर इन आरोपों ने भी पूरी कर दी थी कि सुशांत को हाल ही में पंद्रह करोड़ रुपये मिले थे। शायद रिया ने वे भी हड़प लिए। उस पर ड्रग सप्लाई करने के भी आरोप लगाए गए थे।चारों तरफ से इतने हमले हो रहे थे। जो फिल्में रिया ने साइन की थीं, उनसे उसे निकाल दिया गया था। वह जैसे इस निर्मम दुनिया का सामना करने के लिए अकेली थी। अकेली ही उसे उन सभी आरोपों का सामना करना पड़ रहा था जिनके लिए वह जिम्मेदार भी नहीं थी। बाद में यह भी पता चला था कि सुशांत ने जो पंद्रह करोड़ रुपये मिलने की बात अपने घर वालों को बताई थी, वे रुपये कभी उसके अकाउंट में आए ही नहीं थे। कई चैनलों ने हफ्तों तक इस मामले को तूल दिया था और बहुत हल्ला मचाया था। सुशांत की पूर्व महिला मित्र भी मीडिया में आकर रात-दिन बयान दे रही थी कि वह आत्महत्या तो कर ही नहीं सकता। वह इतना कमजोर लड़का नहीं था। हालांकि, यह बात भी सामने आई थी कि सुशांत को गहरा अवसाद था।

पारंपरिक स्रोतों का संरक्षण और प्रबंधन जरूरी

जल संकट

पंकज चतुर्वेदी

यदि हम पुराने जलस्रोतों की स्थिति सुधारें और जल का सही प्रबंधन करें, तो पानी की कमी का समाधान किया जा सकता है। भूजल पर निर्भरता लंबे समय तक नहीं हो सकती, इसलिए नदी-तालाबों को उनकी प्राकृतिक स्थिति में लौटाना और उनका संरक्षण करना आवश्यक है।यह कैसी विडंबना है कि जिस शहर के बीच से सदानीरा यमुना जैसी नदी लगभग 27 किलोमीटर बहती हो, वही हर साल चैत बीतते ही पानी की किल्लत के लिए कुख्यात हो जाता है। दिल्ली की पिछली सरकार अपने जल स्रोतों की परवाह साल भर नहीं करती थी और जब पानी के लिए आम लोग हलकान होते हैं, तो हरियाणा पर आरोप लगाकर सुप्रीम कोर्ट का रुख कर लेती थी।

यह पिछले आठ सालों से हर बार हो रहा था। जब दिल्ली में यमुना लबालब होती है, तो यहां के नाले और कारखाने उसमें इतना जहर घोल देते हैं कि नदी सारे रास्ते हांफती रहती है। और जब पानी का संकट खड़ा होता है, तो तभी नदी की याद आती है।यह हाल केवल दिल्ली का नहीं, बल्कि देश के अधिकांश बड़े शहरों का है। बेंगलुरु, जो कभी तालाबों और जलस्रोतों से संपन्न था, आज 'केपटाउन' जैसी जल संकट की चेतावनी से जूझ रहा है। मानसून के दौरान जलभराव की स्थिति बन जाती

है। मुंबई की पांच नदियां अब नाले में बदल चुकी हैं, और बरसात का पानी अब समुद्र में मिल जाता है। जरूरत के समय लोग भूजल और टैंकर के जरिए जैसे-तैसे जिंदगी काटते हैं। हैदराबाद, चेन्नई, इंदौर, पटना और श्रीनगर जैसे शहरों में भी जल संकट गहरा रहा है, हालांकि नक्शे पर ये शहर नदी, तालाब और नहरों से जुड़े हुए हैं।राजधानी दिल्ली की 31 प्रतिशत आबादी को स्वच्छ पेयजल उनके घर के नल से नहीं मिल पाता। हजारों टैंकर हर दिन कालोनियों में जाते हैं, और लोगों के लिए पानी जुटाने के लिए भूमिगत जलस्तर को इतनी गहराई तक खोदा गया है कि सरकारी भाषा में कई इलाके अब 'डार्क जोन' के रूप में पहचाने गए हैं। दिल्ली के नजदीक गाजियाबाद, जो यमुना-हिंडन के त्रिभुज पर स्थित है, की अधिकांश कालोनियां पानी की भारी किल्लत से जूझ रही हैं। जिन तालाबों में पानी जमा हो सकता है और जो जीवन की उम्मीद बन सकते हैं, उनमें से तीन-चौथाई जल निकायों का इस्तेमाल सिर्फ सीवर की गंदगी बहाने के लिए होता है।तालाबों को नष्ट करने का खमियाजा समाज ने किस तरह भुगता, इसकी सबसे बड़ी मिसाल बेंगलुरु है। यहां समाज, अदालत और सरकार सभी जमीन माफिया के सामने असहाय नजर आते हैं। यदि हम शहर की जल स्थिति पर नजर डालें तो यह अस्वाभाविक-सा लगता है कि वहां जरूरत का महज 80 प्रतिशत जल ही आपूर्ति हो पा रहा है। एक करोड़ 40 लाख की आबादी वाले महानगर में हर कदम पर जल स्रोत हैं। लेकिन अंधाधुंध शहरीकरण और उसके लालच में पारंपरिक जलस्रोतों और हरियाली का अगर यही हाल रहा, तो बेंगलुरु को केपटाउन बनने से कोई नहीं रोक सकता। सरकारी रिकार्ड के मुताबिक नब्बे साल पहले बेंगलुरु शहर में 2789 केरे यानी झील हुआ करती थीं। सन? साठ आते-आते इनकी संख्या घटकर 230 रह गई। वर्ष 1985 में शहर में केवल 34 तालाब बचे और अब इनकी संख्या तीस तक सिमट गई है। जल निधियों की उपेक्षा का ही परिणाम है।

नवरात्रि, 9 दिन, 9 व्यंजन, मां की कृपा

नवरात्रि में मां दुर्गा को भोग लगाना काफी शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि यदि मां दुर्गा के अलग-अलग रूपों को उनकी पसंद का भोग लगाया जाता है, तो व्यक्ति को विशेष कृपा और आशीर्वाद प्राप्त होता है। वहीं भोग को सात्विक और शुद्ध तरीके से तैयार किया जाता है।

हिंदू धर्म में नवरात्रि का विशेष महत्व माना जाता है। इस बार 30 मार्च से चैत्र नवरात्रि की शुरूआत हुई है। नवरात्रि का पर्व मां दुर्गा की भक्ति के लिए बेहद खास माना जाता है। नवरात्रि में भक्त व्रत रखते हैं और मां दुर्गा के 9 स्वरूपों की पूजा-अर्चना करते हैं। माता रानी को ये भोग न सिर्फ प्रसन्न करते हैं, बल्कि व्रत करने वाले लोगों के लिए भी पौष्टिक और बेहद स्वादिष्ट होते हैं। ऐसे में अगर इस नवरात्रि आप भी मां दुर्गा को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो इस आर्टिकल के जरिए हम आपको नवरात्रि के 9 दिनों के लिए 9 अलग तरग के भोग के बारे में बताने जा रहे हैं। इन भोग को बनाकर मां दुर्गा को अर्पित करें और फिर प्रसाद के रूप में बांट दें।

कलाकंद नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री को दूध से बनी मिठाइयों का भोग लगा सकते हैं। आप मां शैलपुत्री को कलाकंद का भोग लगा सकती हैं। यह स्वाद में मलाईदार होने के साथ सात्विक होता है।

पंचामृत नवरात्रि के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी को पंचामृत का भोग अर्पित करें। पंचामृत बनाने के लिए दूध-दही, घी, शहद और चीनी का उपयोग होता है। यह भोग

शुद्धता और तप का प्रतीक है। इसको चढ़ाने से संयम और ज्ञान की प्राप्ति होती है।

दूध की बर्फी

नवरात्रि के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की पूजा की जाती है। आप मां चंद्रघंटा को दूध की बर्फी का भोग लगी सकती हैं। आप दूध को गाढ़ा कर इसमें चीनी और इलायची डालकर बनाएं। यह पौष्टिक होने के साथ स्वाद में भी अच्छी होती है। इसका भोग लगाने से अंदर का भय दूर होता है। मालपुआ

नवरात्रि के चौथे दिन आप मां कुष्मांडा को मालपुए का भोग लगा सकती हैं। कुट्टू के आटे, दूध और गुड़ से बना मालपुआ व्रत के सभी नियमों को पूरा करता है और इसको घी में बनाएं। यह खाने में मीठा और स्वादिष्ट होता है। धार्मिक मान्यता है कि मालपुए का भोग लगाने से सकारात्मक ऊर्जा और अच्छे स्वास्थ्य का आशीर्वाद मिलता है। केले की फलाहारी चाट नवरात्रि के पांचवे दिन आप मां स्कंदमाता को केले की चाट अर्पित करना चाहिए। केले को काटकर दही, शहद और फलों के साथ मिलाकर भोग लगाएं। यह व्यंजन मातृत्व का प्रतीक है पान की खीर

नवरात्रि के छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा-उपासना की जाती है। नवरात्रि के 6वें दिन पान की खीर चढ़ाएं। दूर में पान का पत्ता और चीनी डालकर इसको थोड़ी देर के लिए पकाएं। यह एक अनोखा और सुगंधित भोग है। मां कात्यायनी को पान की खीर अर्पित करने से वीरता का आशीर्वाद मिलता है।

गुड़ की खीर

मां कालरात्रि को गुड़ की खीर अर्पित करें। गुड़, चावल और दूध से बनी खीर सात्विक और स्वादिष्ट होती है। इसको धीमी आंच पर पकने दें। इस भोग को चढ़ाने से नकारात्मकता दूर होती है। नारियल की बर्फी वहीं नवरात्रि के 8वें दिन मां महागौरी की पूजा-अर्चना की जाती है। नारियल और चीनी को गाढ़ा करके नारियल की बर्फी पकाएं। नारियल की बर्फी को शुद्धता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है।

नवरात्रि के आठवें दिन नारियल की बर्फी चढ़ाने से व्यक्ति को शांति मिलती है। सूजी का हलवा मां सिद्धिदात्री को सूजी का हलवा चढ़ाएं। राम नवमी के लिए सूजी, घी और चीनी से बना ये भोग बेहद खास होता है।

नवरात्रि में कन्या पूजन सावधानी से!

चैत्र नवरात्रि का पर्व चल रहा है। ऐसे में अगर आपकी नवजात कन्या नवरात्रि पूजन में शामिल हो रही हैं, तो आस्था के साथ ही उसकी सेहत का भी ध्यान रखना जरुरी है। आइए आपको बताते हैं नवजात शिशु को कैसे माता का प्रसाद भेंट करें।

सनातन धर्म में चैत्र नवरात्रि 2025 का बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। नवरात्रि के दौरान भक्तजन मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करते हैं और व्रत रखते हैं। नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा के भक्त मां को प्रसन्न करने के लिए उनकी उपासना और व्रत रखते हैं। नवरात्रि व्रत का पारण आठवें और नौवें दिन, यानी के अष्टमी और नवमी को कन्या पूजन किया जाता है।

कन्या पूजन के दौरान छोटी-छोटी कन्याओं को मां दुर्गा का रुप मानकर पूजा-अर्चना करने के बाद प्रसाद खिलाया जाता है। इस बार नवरात्रि की अष्टमी तिथि 5 अप्रैल और रामनवमी की तिथि 6 अप्रैल को है। यदि आपकी नवजात कन्या कंजक पूजन में शामिल होने जा रही, तो इन बातों का रखें ध्यान।

ठोस आहार न दें

नवजात शिशु सिर्फ 0-6 महीने केवल मां का दूध या फॉर्मूला दूध ही पचा पाते हैं। भूलकर भी नवजात शिशु को ठोस या कम-ठोस आहार प्रसाद के रुप में जैसे हलवा, चना, पूरी, मिठाई खाने के लिए बिल्कुल न दें। ऐसा करने से उनका पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

तरल और सुरक्षित विकल्प चुनें

आप नवजात शिशु को प्रसाद के रुप में कुछ खिलाना ही चाहते हैं, तो फॉर्मूला दूध ही बेहतर विकल्प होगा। थोड़ा सा दूध आप शिशु को पिला सकते हैं। जिसे प्रसाद के रुप में माना जाता है।

पानी ना पिलाएं

6 महीने से कम उम्र के बच्चों को भूलकर भी पानी नहीं पिलाना चाहिए। इस उम्र के बच्चों को पानी की आवश्यकता नहीं होती है। शिशु के लिए केवल मां का दूध या फॉर्मूला मिल्क में पर्याप्त मात्रा में पानी मौजूद होता है।

मानसिक भाव

कन्या पूजन के दौरान सबसे मुख्य भाव श्रद्धा और सम्मान है। आप नवजात शिशु को ठोस प्रसाद नहीं खिलाएं, इसकी जगह आप शिशु को नए वस्त्र पहना सकती हैं, माथे पर तिलक लगा सकते हैं और उसे प्यार दे सकते हैं। यह सब भी कन्या पूजन का हिस्सा माना जा सकता है।

डिस्क्लेमर- इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

गुलाब से निखारें रूप, गर्मियों में रहें चमकदार

रोज वाटर या फिर इससे बनी क्रीम और कई चीजें स्किन पर लगाने से फायदा मिलता है। वहीं गर्मियों में स्किन को ग्लोइंग और फ्रेश बनाने में गुलाब का फूल काफी फायदेमंद होता है। दरअसल, गुलाब के फूलों और गुलाब जल में ऐसे कई गुण पाए जाते हैं, जो स्किन को नमी, ताजगी और ग्लो देने का काम करता है।k

गुलाब के फूल को कई तरह से इस्तेमाल किया जाता है। कई लोग इसका इस्तेमाल गुलकंद, शरबत और खाने की कई चीजों को बनाने के लिए करते हैं। वहीं गुलाब का इस्तेमाल स्किन केयर के लिए भी किया जाता है। बता दें कि रोज वाटर या फिर इससे बनी क्रीम और कई चीजें स्किन पर लगाने से फायदा मिलता है।

वहीं गर्मियों में स्किन को ग्लोइंग और फ्रेश बनाने में गुलाब का फूल काफी फायदेमंद होता है। दरअसल, गुलाब के फूलों और गुलाब जल में ऐसे कई गुण पाए जाते हैं, जो स्किन को नमी, ताजगी और ग्लो देने का काम करता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहें कि आप स्किन को ग्लोइंग बनाने के लिए गुलाब के फूल का किस तरह से इस्तेमाल कर सकते हैं।

गुलाब जल

गुलाब जल स्किन के लिए एक नेचुरल टोनर की तरह काम करता है। गुलाब जल स्किन को ठंडक और नमी देता है और गर्मियों में इसके इस्तेमाल करने से स्किन ग्लोइंग और सॉफ्ट रहती है। गुलाब जल में एंटी-इफ्लेमेटरी गुण और एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। जो स्किन की जलन और रैशेज को खत्म करने में मदद करते हैं।

फेस पैक

गुलाब से फेस पैक बनाने के लिए इसकी पंछुड़ियों को पानी से साफ कर लें। इसके बाद 3-4 घंटे के लिए इन पंखुड़ियों को भिगोकर रख दें। अब इनको पीस लें और उसमें दो चम्मच शहद और एक चम्मच मिलाकर पेस्ट बना लें। फिर इसको फेस पर 25-30 मिनट के लिए अप्लाई करें। अब चेहरे को पानी से धो लें। आप इसका उपयोग सप्ताह में दो बार कर सकते हैं। इससे आपकी स्किन ग्लोइंग होगी।

स्क्रब

स्क्रब बनाने के लिए गुलाब की पंखुड़ियों को धो लें और इसमें 4 चम्मच बेस और जरूरत के हिसाब से दूध मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इसको अपने फेस पर हल्के हाथों से स्क्रब करें और 3-4 मिनट पहले फेस को पानी से साफ कर लें। आप चाहें तो इसको फेस पैक की तरह अप्लाई कर सकते हैं। इससे डेड स्किन सेल्स हट जाएगी और आपकी स्किन ग्लो करेगी।

गुलाब का तेल

बता दें कि गुलाब का तेल भी त्वचा के लिए काफी फायदेमंद होता है। यह स्किन को मॉइस्चराइज करने के साथ नमी बनाए रखता है। गुलाब का तेल स्किन को सॉफ्ट बनाने और दाग-धब्बों को कम करने में भी मददगार होता है। आप 15-20 मिनट के लिए इसको फेस पर अप्लाई करें, इससे स्किन पर ग्लो आएगा।

टी 20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने किये रामलला दर्शन

भगवा गमछा और पीले कुर्ते में नजर आए सूर्य कुमार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। भारतीय क्रिकेट टीम के ञ्ज20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अयोध्या पहुंचकर हनुमानगढ़ी और रामलला के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने पीला कुर्ता और गले में भगवा गमछा पहना हुआ था। उनकी एक झलक पाने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पूजा का आयोजन मुख्य पुजारी हेमंत दास ने किया। इस दौरान सूर्यकुमार यादव की पत्नी भी उनके साथ थीं।

मैच से पहले अयोध्या पहुंचे कई क्रिकेटर

इकाना स्टेडियम, लखनऊ में मुंबई इंडियंस बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स का मैच शुक्रवार को खेला जाना है। इस मुकाबले से पहले टीम इंडिया के कई खिलाड़ी अयोध्या पहुंचे। सूर्यकुमार यादव के साथ दीपक चाहर, तिलक वर्मा और कारण शर्मा ने भी रामलला के दर्शन किए।

***सोशल मीडिया पर शेयर की तस्वीरें**

सूर्यकुमार यादव ने अपनी पत्नी के साथ राम मंदिर से तस्वीरें शेयर कीं। दीपक चाहर की पत्नी जया भारद्वाज ने भी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। इन तस्वीरों में तिलक वर्मा और कारण शर्मा भी नजर आए।

मुंबई इंडियंस बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स मुकाबला

मुंबई इंडियंस अपना अगला मैच लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ शुक्रवार, 4 अप्रैल को इकाना स्टेडियम, लखनऊ में खेलेगी। इससे पहले खिलाड़ियों का रामलला दर्शन के लिए अयोध्या पहुंचना चर्चा का विषय बन गया है।

पक्षियों का अवैध कारोबार पकड़ा, भीड़ के हंगामे का फायदा उठाकर आरोपी भागा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बाबूपुरवा थानाक्षेत्र में पक्षियों का अवैध कारोबार करने वाले व्यापारी के घर वन विभाग की टीम ने छापेमारी की। इस दौरान टीम ने उसे पकड़ने की कोशिश की तो इलाकाई लोगों ने विरोध कर दिया। जिसका फायदा उठाकर आरोपी मौके से भाग निकला। टीम ने उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। बुधवार को बाबूपुरवा के बगाही के चिड़िमार मोहल्ला में वन विभाग को सूचना मिली थी कि बगाही में पक्षियों की अवैध रूप से खरीद फरोख्त की जा रही है। हशमत नाम का व्यक्ति पक्षियों का अवैध कारोबार कर रहा है। उप क्षेत्रीय वन अधिकारी शिव प्रसाद की अगुवाई वाली वन विभाग की टीम का क्षेत्रीय लोगों ने घेराव कर लिया। लोगों ने टीम से पहचान के साक्ष्य देने को कहा। वन विभाग की टीम ने बाबूपुरवा पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस पहुंची तब तक आरोपी भाग निकला। टीम ने आरोपी के घर पहुंची तो पिंजड़ों में बंद 72 तोते मिले। जिन्हें जब्त कर लिया गया है। इनमें एलेक्जेंडर पैराकीट प्रजाति के 40 बच्चे व रोज रिंग्ड पैराकीट प्रजाति के 26 तोते व छह बच्चे शामिल हैं। इंस्पेक्टर बाबूपुरवा अरुण कुमार द्विवेदी ने बताया कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। आरोपी पर पहले से तीन मामले दर्ज हैं। इससे पहले कर्नलगंज व परेड में छापेमारी के दौरान भी नजीराबाद निवासी सुरेश, नौबस्ता निवासी संजय, बाबूपुरवा निवासी नब्बन व हशमत के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत रिपोर्ट कराई गई थी।

सार्वजनिक सूचना

मेरी पुत्री का सही नाम ANZEL SINGH RAJAWAT d/o SANDEEP PRATAP SINGH है। भविष्य में और सभी अभिलेखों में इसी नाम और स्पेलिंग से जाना पहचाना जाए।

संदीप प्रताप सिंह पुत्र स्व. शिवपाल सिंह
स्थाई पता: निवासी ग्राम ततारपुर पोस्ट हैदरपुर जिला औरैया (उत्तर प्रदेश)
वर्तमान पता:16/4 गंगा गंज कॉलोनी पनकी कानपुर।

वक्फ संशोधन बिल पेश होने पर भाजपा मुख्यालय में की गई आतिशबाजी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। वक्फ बोर्ड संशोधन अधिनियम संसद में पेश होने की खुशी में बुधवार को भाजपाइयों एवं पसमांदा मुस्लिम समाज के लोगों ने आतिशबाजी कर मिष्ठान वितरण किया। भाजपा क्षेत्रीय कार्यालय में अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने देशभर के सभी समाजों की मांग पर यह संशोधन किया है। कांग्रेस द्वारा मुस्लिम तुष्टीकरण करने के लिए गलत तरीके से बनाए गए वक्फ बोर्ड से देश भर में अवैध कब्जे हो रहे थे जिससे विवादों की स्थिति उत्पन्न हो रही थी। वक्फ बोर्ड की आड़ में माफिया लगातार जमीनों पर कब्जे कर रहे थे।

वक्फ बोर्ड से मुस्लिम समाज के गरीबों को कोई भी लाभ नहीं हो रहा था। केवल माफिया इसका फायदा उठा रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अधिनियम में संशोधन कर संविधान के दायरे में लाने का सराहनीय कार्य किया है। यहां दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह, ग्रामीण जिलाध्यक्ष उपेंद्र पासवान, पूनम द्विवेदी, रामबहादुर, विनोद मिश्रा, जसविंदर सिंह, रघुनंदन भदौरिया, मनीष त्रिपाठी, राजन चौहान, अर्जुन बेरिया, वीरेन दिवाकर, शिवपूजन सविता, मो. कसीम, बुसरा अंसारी, नीलम अंसारी आदि मौजूद रहे।

राज्यमंत्री दानिश अंसारी के ईद मिलन समारोह में पहुंचीं दिग्गज हस्तियां

» डिप्टी सीएम बृजेश पाठक समेत कई मंत्री, सांसद विधायको ने की शिरकत

» मंत्री दानिश की मेहमान नवाजी का अलग अंदाज दिखा

स्वराज इंडिया ब्यूरो

लखनऊ/कानपुर,बिल्हौर। मंगलवार शाम को यूपी के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री दानिश आज़ाद अंसारी के लखनऊ स्थित आवास पर ईद मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने ईद मिलन कार्यक्रम में पहुंचकर मंत्री दानिस आजाद अंसारी को पर्व की शुभकामनायें दी।इसके अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सलाहकार आईएएस अवनीश अवस्थी,ऊर्जा मंत्री एके शर्मा,मंत्री राकेश सचान, असीम अरुण,राज्य महिला आयोग उपाध्यक्ष अपर्णा यादव, यूपी शिया वक़्फ़ बोर्ड के अध्यक्ष अली जैदी, सुन्नी वक़्फ़ बोर्ड की सदस्य सबीहा अहमद समेत कई मंत्री,सांसद, विधायक और राजनीति तथा मीडिया से जुड़ी अन्य दिग्गज हस्तियाँ भी पहुंची।सभी ने गले मिलकर ईद की मुबारक़ दी। बड़े ही खूलुस से मंत्री ने आए हुए सभी मेहमानों का इस्तक़बाल किया। वहीं मदारिया सिलसिले से जुड़े मकनपुर ग्राम प्रधान मजाहिर हुसैन जाफरी, बाब बहादुर अली,जियारत अली व कश्ती वाले बाबा समेत दर्जनों मलंगो ने भी ईद मिलन समारोह के कार्यक्रम में पहुँचे और मंत्री दानिस आजाद आंसरी को दरगाह की चादर भेंट की।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

एक लाख एक हजार दीपों से रोशन हुआ घाटमपुर का कुष्मांडा मंदिर

चतुर्थ शक्तिपीठ मां कुष्मांडा देवी मंदिर में दिनभर उमड़े मां के दर्शन के लिए भक्त

» 10 लाख लाइटों की रोशनी से जगमगाया गया मां कुष्मांडा देवी मंदिर

स्वराज इंडिया/शंकर सिंह

घाटमपुर (कानपुर)। घाटमपुर नगर स्थित मां कुष्मांडा देवी मंदिर में मां कुष्मांडा देवी का प्रकट उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान शाम होते ही मंदिर परिषद एक लाख एक हजार एक दीपों की रोशनी से जगमगाता नजर आया। इस दौरान लगभग 10 लाख लाइटों की रोशनी से मंदिर का आकर्षण हर एक को अपनी ओर आकर्षित कर रहा था। सुबह की पहली किरण से लेकर देर शाम तक लाखों भक्तों ने मां कुष्मांडा देवी मंदिर में माता के दर्शन किए और उनसे सुख शांति के लिए आशीर्वाद मांगा।

बताते चलें मां कुष्मांडा देवी मंदिर में हर चैत्र और शारदीय नवरात्रि के चतुर्थ दिन मां कुष्मांडा का दीपदान का आयोजन किया जाता है।

इस दौरान शाम होते ही मंदिर परिसर में लाखो दीपक एक साथ कुछ ही घंटे में जलाए जाते हैं।

जिससे कुछ ही घंटे में लाखों दीपक की रोशनी से मंदिर जगमगाता नजर आता है। बुधवार को लाखो दीप मंदिर परिषद के कोने कोने में जगमगाए गए। इस दौरान मंदिर की छटा अलग ही दिखाई दे रही थी।

इस वर्ष लगभग 1लाख 1हजार एक दीप से दीपदान किया गया। मंदिर परिषद मे लगभग दस लाख इलेक्ट्रिक लाइट द्वारा मंदिर के कोने-कोने में रोशनी की गई।

चतुर्थ दिन कस्बे के अलावा दूर-दराज के गांव से भी भक्तों मां के दर्शन करने के लिए आते हैं।

समिति द्वारा बताया गया कि दीपदान का आयोजन पिछले 25 वर्षों से अनवरत जारी है।

गौशालाओं में लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं: सीडीओ लक्ष्मी एन0

» मुख्य विकास अधिकारी एवं जिलास्तरीय अधिकारियों ने जनपद की समस्त गो-आश्रय स्थलों का किया औचक निरीक्षण, जॉची व्यवस्थायें

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन0 एवं अन्य जिलास्तरीय अधिकारियों ने जनपद की समस्त गो-आश्रय स्थलों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में उन्होने गो-आश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं को जॉचा एवं परखा गया।

वहीं मौके पर पहुंच कर उन्होने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि ग्रीष्म ऋतु एवं हीटवेव को द्रष्टिगत रखते हुये संरक्षित गौवंशों को समय-समय पर पर्याप्त मात्रा में हरा चारा, भूसा , पानी की व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाए इसके साथ ही पशु चिकित्सा सुविधाओं को बेहतर बनाने के भी निर्देश दिये। उन्होने कहा कि गो-आश्रय स्थलों में छाया आदि की व्यवस्था भी दुरूस्त कर ली जाए। वहीं जनपद के अन्य गो-आश्रय स्थलों में अधिकारियों द्वारा कराये गये निरीक्षण में पायी गयी कमियों के निराकरण के सम्बन्ध में उन्होने निर्देश दिये कि अधिकतम 03 दिवस के अन्दर गौशालाओं की समस्त व्यवस्थाओं को सुदृण कर लिया जाए, यदि आगामी निरीक्षण में किसी प्रकार की कमी पायी जाती है तो सम्बन्धित के खिलाफ दण्डात्मक कार्यवाही की जायगी।

पीएम श्री स्कूल में मनाया नव प्रवेश उत्सव

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। पीएम श्री प्राइमरी स्कूल संगसियापुर में आज एक विशेष आयोजन हुआ। जिसमें स्कूल चलो और संक्रामक रोग से बचाव की रैली निकाली गई। इस अवसर पर नव प्रवेश उत्सव भी मनाया गया।स्कूल की प्रधानाचार्य कंचन कामिनी ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक करना और उन्हें संक्रामक रोगों से बचाव के लिए जागरूक करना था। उन्होंने कहा कि शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है, और हमें अपने बच्चों को शिक्षित करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए।

रैली में कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों ने भाग लिया, जिन्होंने नारे लगाकर रैली को आकर्षक बनाया।

रैली के दौरान बच्चों ने संक्रामक रोगों से बचाव के लिए जागरूकता फैलाई और लोगों को स्वच्छता और स्वास्थ्य के महत्व के बारे में बताया।

इस अवसर पर कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों के परिणाम भी घोषित किए गए और उन्हें मेडल वितरित किए गए। कक्षा 5 के बच्चों के लिए विदाई समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें उन्हें उनकी नई यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर स्कूल के शिक्षकों ने बच्चों को शिक्षा के महत्व और संक्रामक रोगों से बचाव के लिए जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया।

KK HOSPITAL & RESEARCH CENTER
K.K. HOSPITAL, PANKI
Contact Us : 9118965948 / 7860510757
हमारे चिकित्सालय में उपलब्ध सेवाएँ निम्नवत हैं
• सभी सुविधाओं से युक्त ऑपरेशन थियेटर।
• पूर्णतया स्वच्छ वार्ड।
• नार्मल डिलीवरी व ऑपरेशन द्वारा प्रसव की सुविधा।
• अनुभवी डॉक्टरों द्वारा सम्पूर्ण इलाज।
• हड्डी के ऑपरेशन की सुविधा।
• जनरल सर्जरी की सुविधा।
• गुर्दे की पथरी का इलाज / पित्त की पथरी का आपरेशन
• हाइड्रोसील/हार्निया/बवासीर का आपरेशन
• सभी प्रकार की जांचों की सुविधा
• अनुभवी विशेषज्ञ हर समय उपलब्ध
ICU/NICU/Emergency की सुविधा 24x7 उपलब्ध
Contact No.: 7860510757
Dr. A.R. Katiyar
(MBBS, FEM MIMA)

बच्चों को रील की बजाय रीयल जिंदगी जीने की दें सीख

अंकित यादव/स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। फोन हाथ में आया नहीं कि छोटे-बड़े रील्स को देखना शुरू कर देते हैं। यह देखना लगातार जारी रहता है। कोई भी एक-दो देखने के बाद नहीं रुक सकता। इन्हें सीख तब आती है जब समय की सुई आगे भागती है। बेहत कार्यों में लगने वाला समय जाया हो जाता है। दरअसल आजकल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर रील्स एक प्रमुख ट्रेड बन गया है। ये शॉर्ट बीडियो बच्चों को आकर्षित करते हैं, लेकिन इनका मानसिक, शारीरिक और मामाजिक विकाय पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

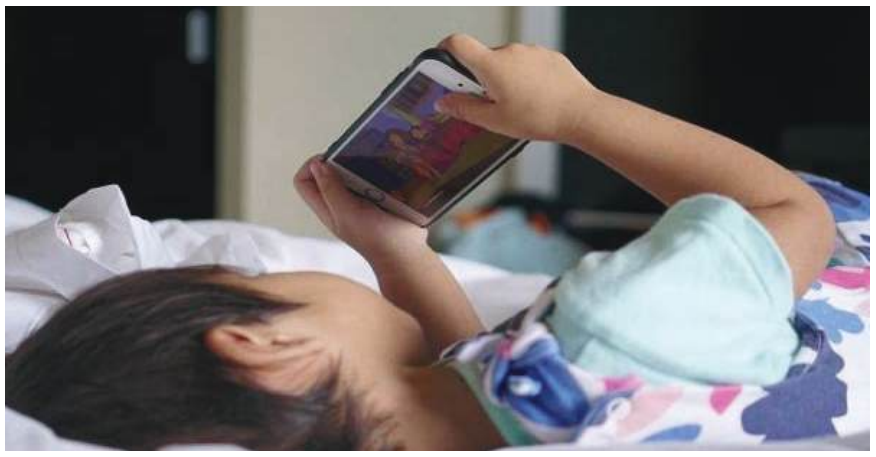

खेलकूद जैसी एक्टीविटीज में कमी

हर पल रील्य देखने से बच्चों की शरीरिक गतिविधियां कम हो जाती है। कारण यह कि बच्चा एक जगह बैठकार रिपों फोन में रील्य ही देखता है। ऐसे में बच्चे खेलों से दूर हो जाते हैं, जो उनके शारीरिक और मानसिक विकास में कमी ला सकता हैं।रील्स में दिखाए गए हास्य और चुटकुलों की वजह से बच्चों में दूसरों के प्रति सहानुभूति की कमी हो सकती है। वे यह रामशाने में असमर्थ हो सकते है कि मजाक या टिप्पणियों का किसी के मन पर क्या असर हो सकता है।रील्स में दिखाए गए ट्रेंड्स और लाइफस्टाइल के कारण बच्चों पर एक सामाजिक दबाव महसूस हो सकता है। वे यह महसूस कर सकते हैं कि अगर वे इन ट्रेंड्स का पालन नहीं करेंगे तो वे समाज से बाहर हो जाएंगे, जिससे उनकी मानसिक स्थिति पर नकारात्मक असर हो सकता है।रील्स का निरंतर सेवन बच्चों की एकाग्रता की क्षमता को प्रभावित कर सकता है। छोटे सोटे चीडियो देखने की आदत से उनका ध्यान भड़कता रहता है, जिससे वे पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे पाते। बच्चों का अधिक समय रील्स देखने में बर्बाद हो जाता है, जिससे अन्य महत्वपूर्ण और रचनात्मक गतिविधियों में हिस्सा नहीं ले पाते है, जैसे किताबें पढ़ना, नई चीजें सीखना या खेलों में भाग लेना। यहां तक कि दोस्तों से मिलना-जूला भी कम हो जाता है।

अधिकांश रील्स में ऐसा होता है,आदर्शवादी, काल्पनिक या अत्यधिक उत्तेजक होती है, जो बच्चों की मानसिक स्थिति पर आदत डाल सकती है। इसे एकदम से बंद नहीं करें। बेहतर है अपनी देख-रेख में देखने दें। अधिकांश रिल्स में जो जीवनशैली दिखाई जाती है, वह बच्चों को अपनी वास्तविकता से असंतुर कर सकती है। महसूस कर सकते है कि उनके पास जो है वह न तो आकर्षक और न ही महत्वपूर्ण। इसका असर उनकी संवेदनाओं और आत्म-विश्वास पर पड़ता है। जब बच्चे वीडियो रील्स में दूसरों को शानदार जीवन जीते हुए देखते हैं, तो वे अपने जीवन की असंतोषजनक महसूस करने लगते हैं। दरअसल, रील और रियल के बीच का सूक्ष्म भेद नहीं जान पाते हैं। इससे बच्चों व किशोरों की मानसिक स्थिति पर असर पड़ता है और उनमें चिंता, अवसाद और तनाव जैसी समस्याएं बढ़ सकती है।

स्कूल से घर आते ही बच्चे मांगते हैं फोन

स्कूल से घर आते ही बच्चे फोन में रीला देखते हैं। रात में जब सोने जाते हैं. तब फोन को लेकर चिपक जाते हैं। उन्हें इस बात का अहसास तक नहीं होता। इस आदत में उनका नींद का पैटर्न भी बिगड़ जाता है। नतीजतन बच्चे चिड़चिड़े हो सकते हैं और उनकी शारीरिक और मानसिक स्थिति पर प्रतिकृत असर पड़ सकता है। कहा आपका बच्चा भी दिन-रात फोन में रोल्स देखता है, तो उसे ऐसा नहीं करने दें। लगातार ऐसा करने से दूटि संबंधी समस्याएं उत्पन हो सकती हैं। लगातार मोबाइल या टैबलेट की स्क्रीन पर नजरे रखने से आंखों में थकावट, जलन और सिरदर्द जैसी समस्याएं हो सकती है।

दिखाए गये बांड का पड़ रहा प्रभाव

रील्स में दिखाए गए ब्रांडस और उत्पादों को देखकर बच्चों को लगता है कि खुश रहने के लिए महंगे सामान की आवश्यकता होती है। इससे उनकी वास्तविकता और पैरो के महत्व को समझने में कमी आ सकती है। बच्चे यह सोच सकते हैं कि अगर उनके पास में महंगे उत्पाद नहीं है, तो वे दूमरों से कम लगाव हैं, जिससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

मोबाइल की समय सीमा आप तय करें...

इसका मतलब यह नहीं कि रील्स पूरी तरह से बच्चों के जीवन से हटा दें। उन्हें देखने भी दें और बनाने भी दें। लेकिन इसकी समय सीमा आप करें। बच्चों के देखने की टाइम सीमा तय करें, ताकि वे अधिक समय रील्स देखने में न गंवाएं, जो भी देखें सकारात्मक, प्रेरणादायक, शैक्षिक और सकारात्मक हो। चच्चों को शारीरिक गतिविधियों और आउटडोर खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित करें। इसमें उनका सारीरिक और मानसिक विकास होगा। जरूरी है कि बच्चों के साथ नियमित संवाद करें, ताकि सोशल मीडिया के प्रभावों को समझ सकें और किसी भी नकारात्मक असर के बारे में आपके साथ बात कर सकें।

फार्म हाउस में लूट का आरोपी मुठभेड़ में घायल

» कानपुर का रहने वाला है आरोपी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रामनगर(बाराबंकी)। स्थानीय पुलिस एवं स्वाट सर्विलांस की संयुक्त टीम के द्वारा आत्मरक्षार्थ फायरिंग के दौरान जोरौंडा गाँव के फार्म हाउस पर दंपत्ति व नौकर को बंधक बनाकर लूट करने वाले एक बदमाश को गिरफ्तार कर उसके पास से घटना में प्रयुक्त कार व अन्य सामग्री बरामद की है। बीती बुधवार की रात्रि कोतवाल अनिल कुमार पांडेय भारी पुलिस बल व स्वाट एवं सर्विलांस की संयुक्त टीम के साथ ग्राम लोहटी पसई पुराना बाईपास,बोहनिया पुल के पास चेकिंग कर रहे थे इसी दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति वैगेनार कार के साथ किसी का इंतजार कर रहा था। मौके पर पहुंचकर टीम के द्वारा जब पूछताछ की गई तभी संदिग्ध व्यक्ति भागने लगा और पुलिस पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा के लिए टीम के द्वारा फायरिंग की जिसमे बदमाश के पैर में गोली लगी है। जिसे इलाज के अस्पताल भेजा गया है। मुठभेड़ में घायल बदमाश के पास से एक वैगेनार कार एक अवैध तमंचा 315 बोर 2 जिंदा कारतूस एक डंडा तथा 800 हजार रुपयो की नगदी बरामद किया है। पुलिस की पूछताछ के दौरान पता चला है कि घायल अभियुक्त का नाम निखिल तिवारी पुत्र अरविंद तिवारी कानपुर नगर के थाना किदवाई का रहने वाला है बीते दिनों जोरौंडा गाँव स्थित फार्महाउस के मालिक बाबूलाल वर्मा पुत्र रामनरायन निवासी के दंपति व मजदूर को बंधक बनाकर लूट की थी।

असदुद्दीन ओवैसी ने फाड़ी संशोधन विधेयक की कॉपी

किरेन रिजिजू बोले- इनके पास दुनिया में सबसे ज्यादा प्रॉपर्टी

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पारित होने के बाद गुरुवार को केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने राज्यसभा में पेश किया। राज्यसभा में इस पर बहस चल रही है। राज्यसभा में वक्फ बिल को पेश करते हुए किरेन रिजिजू ने सच्चर समिति की रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें सिफारिश की गई थी कि केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्ड को व्यापक बनाया जाए ताकि उन्हें समावेशी बनाया जा सके।

एआईएमआईएम के अध्यक्ष और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार रात को लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 का विरोध करते हुए इसके मसौदे की कॉपी फाड़ दी। सदन में विधेयक पर चर्चा में भाग लेते हुए ओवैसी ने कहा कि यह भारत के ईमान पर हमला है और मुसलमानों को अपमानित करने

के लिए लाया गया है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक को लाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के सबसे बड़े अल्पसंख्यक समूह के खिलाफ जंग छेड़ दी है।

बच्चों संग फरक्का एक्सप्रेस के सामने कूदी महिला, दो मासूमों की हुई मौत

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

औरैया। मानसिक रूप से बीमार महिला ने दो मासूम बच्चों संग पाता रेलवे स्टेशन के पूर्वी यार्ड के पास फरक्का एक्सप्रेस के सामने छलांग लगा दी। जिससे दोनों मासूम बच्चों की मौत हो गई। जबकि महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला को मेडिकल कॉलेज चिचौली में भर्ती कराया गया। महिला बुधवार शाम घर से निकली थी। परिजन तलाश कर रहे थे। देर रात पहचान होने पर कटने की सूचना मिली। जिस पर उनके होश उड़ गए।

दिबियापुर कस्बा के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के पीछे रहने वाले राघवेंद्र सिंह इलेक्ट्रानिक सामान के व्यापारी हैं। तीन बच्चों में बेटा आरुष (7), बेटी दिव्यांशी (4) और एक डेढ़ साल का बेटा लल्ला है। बुधवार की शाम राघवेंद्र की पत्नी नीतू कुशवाहा (29) दिव्यांशी और लल्ला के साथ घर से निकली और वापस नहीं आई। परिजन तलाश कर रहे थे। इस बीच महिला नीतू पाता स्टेशन के पूर्वी यार्ड के पास फरक्का एक्सप्रेस के सामने कूद गई। कॉशन लगा होने के कारण ट्रेन स्पीड में नहीं थी। इस कारण महिला गंभीर घायल हो गई। जबकि चार साल की दिव्यांशी और डेढ़ साल के लल्ला की मौत हो गई। पहचान होने पर परिजनों को सूचना दी गई। महिला को गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। इधर घर में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा।

कार्यालय ग्राम पंचायत मंझार विकास खण्ड त्रिवेदीगंज जनपद बाराबंकी

पत्रांक-मेमो/2025-26 दिनांक 03.04.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा/पंचम राजवित्त/15वां वित्त आयोग/स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) / एसएलडब्ल्यूएम अंतर्गत करायें जाने वाले कार्य आपूर्ति के लिए सामग्री, आंगनबाड़ी केंद्र स्वच्छ शौचालय, पंचायत भवन, अन्नपूर्णा भवन, खेल का मैदान, विद्यालय की बाउंड्री वॉल, सामुदायिक शौचालय, सीएचसी सेंटर, अंत्येष्टि स्थल, बारात घर, खेल का मैदान, मनरेगा पार्क ओपन जिम, कायाकल्प एवं अन्य मदों/योजना अन्तर्गत ग्राम पंचायत मद से कराये जाने वाले कार्यों के लिए स्थल पर निम्नलिखित सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री का विवरण निम्नलिखित है।

1. ईंट 150 एमएम प्रथम श्रेणी प्रति हजार, 2. सीमेंट प्रति बैग, 3. साधारण बालू/स्थानीय बालू प्रतिघन मीटर, 4. स्टोन ब्लास्ट (पत्थर गिट्टी) 224 एमएम से 53 एमएम अलग-अलग प्रति घनमीटर, 5. सरिया प्रति कुंतल, 6. एस्वेट्स सीट, पैनसीट, दरवाजा, टाइल्स प्रति कुंतल/प्रति नग, 7. ह्यूम पाइप 300, 350, 450, 600, 900 एमएमपी-3 प्रति नग, 8. सोलर लाइट प्रति नग, 9. इंटरलाकिंग ईंट 200 गुणे 160 गुणे 80 एमएम प्रति हजार, 10. पटिया जीआई पाइप पी.बी.सी. पाइप, साकेत-प्रति नग, 11. मोटा बालू प्रति घनमीटर, 12. ईंट गिट्टी 200 एमएम/40 एमएम प्रति घनमीटर, 13. हैंडपम्प सामग्री इंडिया मार्का, हैण्डपम्प मरम्मत प्रति नग 14. साइन बोर्ड व अन्य सामग्री प्रति नग, 15. चूना ब्लीचिंग पाउडर, पेंट, डिस्टेम्बर प्रति किग्रा, 16. स्ट्रीट लाइट एवं सोलर, कुर्सी, कम्पयूटर, पेन्ट, प्राइमर, पुट्टी, समर्सिबल पम्प, दरवाजा, मशीन कचरा ढोने वाली गाड़ी, लोहे का ठेला, दवा छिड़कने की मशीन, सफाईकर्मी कीट/पशु आहार/भूषा-चोकर, कचरा पात्र, प्लास्टिक बैंक, यू टाइप नाली, शो पीट, कम्पोस्ट पीट, नाडेप, ठेला गाड़ी, ई-रिक्शा, स्वच्छता कीट, फील्टर चेम्बर, सील्ट केचर, प्लास्टिक पाइप, इन्सीनेटर (भष्मक) आदि स्वच्छ भारत मिशन ग्राम पंचायत के अन्तर्गत समस्त कार्यों पर निर्माण कार्य/प्रतिबंध एवं शर्तें ग्राम पंचायत के कार्यालय पर उपलब्ध हैं तथा ग्राम पंचायत द्वारा स्वीकृत कार्यों की सूची ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है तथा निविदादाता प्रत्येक कार्य की अलग-अलग निविदा डालने हेतु स्वतंत्र है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 04.04.2025 से 18.04.2025 तक अपनी दरें लेटर पैड पर संलग्न लिफाफे में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में मध्याह्न 2:00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके बाद प्राप्त निविदा को अस्वीकार कर दिया जायेगा यदि खुलने की तिथि पर कोई अवकाश होता है तो निविदा अगले कार्य दिवस पर खोली जायेगी। नियम व शर्तें ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। निविदा खुलने की तिथि 19.04.2025 समय अपराह्न 02:00 बजे।

सतीश कुमार
ग्राम प्रधान
ग्रा.पं. मंझार, वि.खं. त्रिवेदीगंज
जनपद- बाराबंकी

प्रफुल्ल कुमार वर्मा
सचिव
ग्रा. पं. मंझार, वि.खं. त्रिवेदीगंज
जनपद- बाराबंकी

कार्यालय ग्राम पंचायत बहुता विकास खण्ड त्रिवेदीगंज जनपद बाराबंकी

पत्रांक-मेमो/2025-26 दिनांक 03.04.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा/पंचम राजवित्त/15वां वित्त आयोग/स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम)/एसएलडब्ल्यूएम अंतर्गत करायें जाने वाले कार्य आपूर्ति के लिए सामग्री, आंगनबाड़ी केंद्र स्वच्छ शौचालय, पंचायत भवन, अन्नपूर्णा भवन, खेल का मैदान, विद्यालय की बाउंड्री वॉल, सामुदायिक शौचालय, सीएचसी सेंटर, अंत्येष्टि स्थल, बारात घर, खेल का मैदान, मनरेगा पार्क ओपन जिम, कायाकल्प, एवं अन्य मदों/योजना अन्तर्गत ग्राम पंचायत मद से कराये जाने वाले कार्यों के लिए स्थल पर निम्नलिखित सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री का विवरण निम्नलिखित है।

1. ईंट 150 एमएम प्रथम श्रेणी प्रति हजार, 2. सीमेंट प्रति बैग, 3. साधारण बालू/स्थानीय बालू प्रतिघन मीटर, 4. स्टोन ब्लास्ट (पत्थर गिट्टी) 224 एमएम से 53 एमएम अलग-अलग प्रति घनमीटर, 5. सरिया प्रति कुंतल, 6. एस्वेट्स सीट, पैनसीट, दरवाजा, टाइल्स प्रति कुंतल/प्रति नग, 7. ह्यूम पाइप 300, 350, 450, 600, 900 एमएमपी-3 प्रति नग, 8. सोलर लाइट प्रति नग, 9. ईंटरलाकिंग ईंट 200 गुणे 160 गुणे 80 एमएम प्रति हजार, 10. पटिया जीआई पाइप पी.बी.सी. पाइप, साकेत-प्रति नग, 11. मोटा बालू प्रति घनमीटर, 12. ईंट गिट्टी 200 एमएम/40 एमएम प्रति घनमीटर, 13. हैंडपम्प सामग्री इंडिया मार्का, हैण्डपम्प मरम्मत प्रति नग 14. साइन बोर्ड व अन्य सामग्री प्रति नग, 15. चूना ब्लीचिंग पाउडर, पेंट, डिस्टेम्बर प्रति किग्रा, 16. स्ट्रीट लाइट एवं सोलर, कुर्सी, कम्पयूटर, पेन्ट, प्राइमर, पुट्टी, समर्सिबल पम्प, दरवाजा, मशीन कचरा ढोने वाली गाड़ी, लोहे का ठेला, दवा छिड़कने की मशीन, सफाईकर्मी कीट/पशु आहार/भूषा-चोकर, कचरा पात्र, प्लास्टिक बैंक, यू टाइप नाली, शो पीट, कम्पोस्ट पीट, नाडेप, ठेला गाड़ी, ई-रिक्शा, स्वच्छता कीट, फील्टर चेम्बर, सील्ट केचर, प्लास्टिक पाइप, इन्सीनेटर (भष्मक) आदि स्वच्छ भारत मिशन ग्राम पंचायत के अन्तर्गत समस्त कार्यों पर निर्माण कार्य/प्रतिबंध एवं शर्तें ग्राम पंचायत के कार्यालय पर उपलब्ध है तथा ग्राम पंचायत द्वारा स्वीकृत कार्यों की सूची ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है तथा निविदादाता प्रत्येक कार्य की अलग-अलग निविदा डालने हेतु स्वतंत्र है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 04.04.2025 से 18.04.2025 तक अपनी दरें लेटर पैड पर संलग्न लिफाफे में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में मध्याह्न 2:00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके बाद प्राप्त निविदा को अस्वीकार कर दिया जायेगा यदि खुलने की तिथि पर कोई अवकाश होता है तो निविदा अगले कार्य दिवस पर खोली जायेगी। नियम व शर्तें ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। निविदा खुलने की तिथि 19.04.2025 समय अपराह्न 02:00 बजे।

देवी प्रसाद
ग्राम प्रधान
ग्रा.पं. बहुता, वि.खं. त्रिवेदीगंज
जनपद- बाराबंकी

संयम मिश्रा
सचिव
ग्रा.पं. बहुता, वि.खं. त्रिवेदीगंज
जनपद- बाराबंकी